सुभेद्य राष्ट्रों की सहायता हेतु GCF

स्रोत: TH

चर्चा में क्यों?

हाल ही में हरति जलवायु कोष (GCF) के प्रमुख ने **सुभेद्य राष्ट्रों को जलवायु चुनौतियों** से नपिटने के लयि आवश्यक वत्तिीय सहायता सुनश्चिति करने हेतु प्रतबिद्धता जाहरि की है।

हरति जलवायु कोष (GCF) क्या है?

- **परचिय:**
  - **GCF जलवायु वत्तिीयन हेतु** एक कोष है जसि जलवायु परविर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क अभसिमय के अंतर्गत स्थापति कयिा गया था ।
  - इसकी **स्थापना वर्ष 2010 में हुई थी** और इसका मुख्यालय **कोरयिा गणराज्य में है**।
- **संचालन (शासन एवं नयिंत्रण):**
  - यह कोष GCF बोर्ड द्वारा शासति है और **पक्षकारों (पक्षकारों के सम्मेलन-COP) के प्रत जिवाबदेह है** तथा उनके मार्गदर्शन के अनुसार संचालति है।
  - यह वशिष्टि प्राथमकिता वाले क्षेत्रों पर ध्यान देने के उद्देश्य से नर्दिष्ट वषियगत वत्तिपोषण के माध्यम से वकिासशील देश पक्षों में परयिोजनाओं, कार्यक्रमों, नीतयिों और वभिन्नि गतवधियिों का समर्थन करता है।
- **कार्य:**
  - **GCF, वकिासशील देशों को उत्सर्जन न्यूनीकरण, जलवायु-अनुकूलति मार्गों** की दशिा में उनके राष्ट्रीय स्तर पर नर्धारति योगदान (NDC) संबंधी महत्त्वाकांक्षाओं में वृद्धि करने के साथ साथ **उन्हें साकार करने में सहायता** करने हेतु अधदिशति है।
    - NDC जलवायु कार्य योजनाएँ हैं जो यह रेखांकति करती हैं क देश कसि प्रकार अपनेग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को **न्यूनीकृत करना चाहते हैं तथा जलवायु परविर्तन के अनुकूल बनना चाहते हैं।**
    - पेरसि समझौते के तहत सभी देशों को प्रत्येक पाँच वर्ष में अपने NDC नर्धारति करने, उन्हें संप्रेषति करने और अद्यतति करने की आवश्यकता होती है।

जलवायु वत्तिपोषण

- **परचिय:**
  - यह एक प्रकार का वत्तिपोषण है जसिका उद्देश्य **जलवायु परविर्तन को संबोधति करने के लयि कार्य-योजनाओं का समर्थन करना है। यह सार्वजनकि, नजिी और वैकल्पकि स्रोतों** प्राप्त हो सकता है ।
- **महत्त्व:**
  - यह उत्सर्जन न्यूनीकरण और जलवायु परविर्तन के प्रभावों के प्रत अनुकूलन हेतु महत्त्वपूर्ण है। यह देशों को न्यूनतम कार्बन अर्थव्यवस्थाओं में रूपांतरति करने और पेरसि समझौते के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम बनाने के लयि भी महत्त्वपूर्ण है।
- **भारत में आवश्यकता:**
  - भारत को नवीकरणीय ऊर्जा प्रतष्ठिानों को प्रोत्साहति करने, बुनयिादी ढाँचे को आधुनकि बनाने एवं ऊर्जा दक्षता में सुधार लाने के लयि जलवायु वत्ति की आवश्यकता है।
- **वत्तिीय तंत्र:**
  - UNFCCC ने वकिासशील देशों को जलवायु वत्ति प्रदान करने के लयि कई वत्तिीय तंत्र स्थापति कयि हैं, जनिमें अनुकूलन कोष, हरति जलवायु कोष और वैश्वकि पर्यावरण कोष शामलि आदि हैं।

//

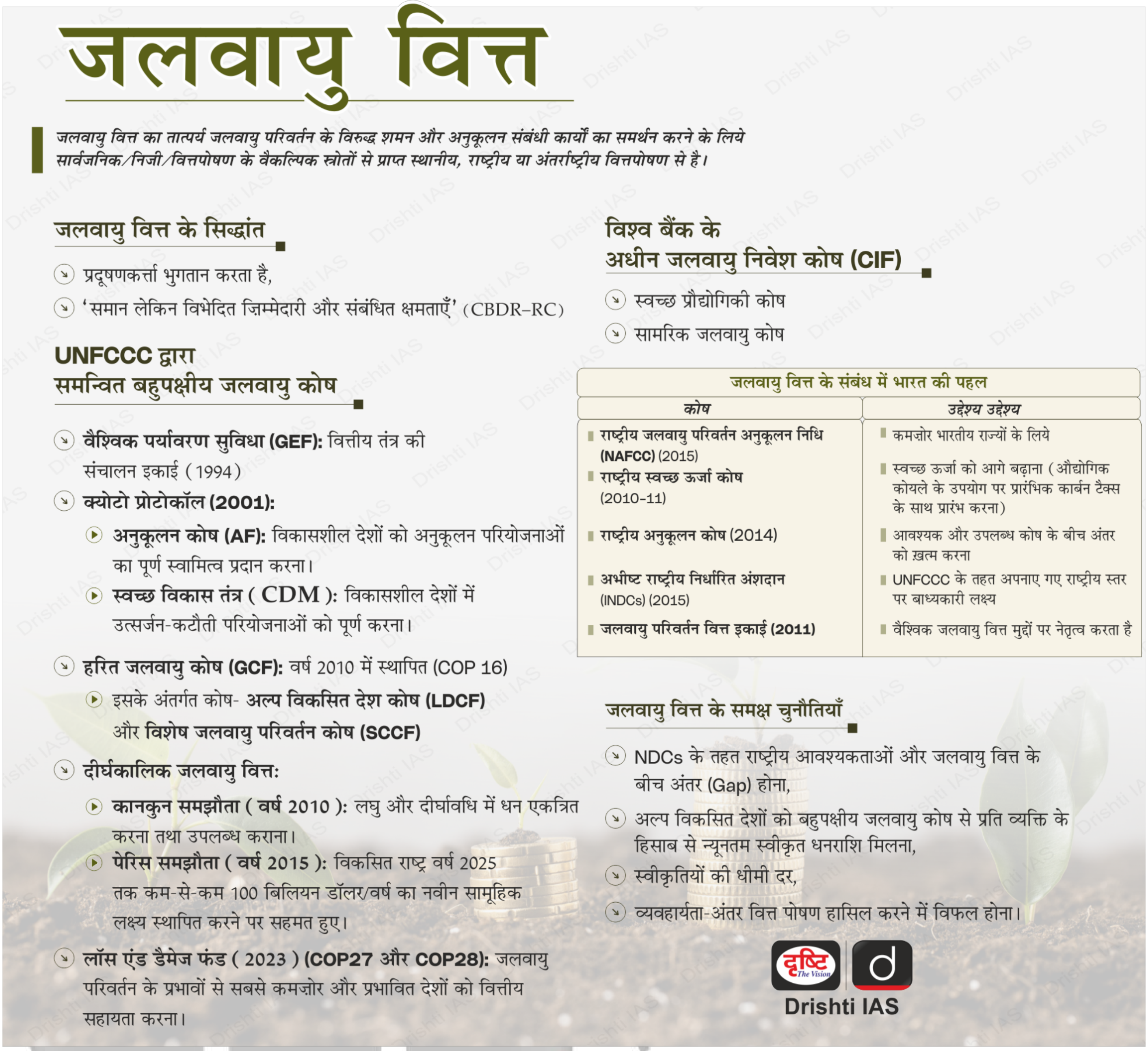

जलवायु वित्त

जलवायु वित्त का तात्पर्य जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध शमन और अनुकूलन संबंधी कार्यों का समर्थन करने के लिये सार्वजनिक/निजी/वित्तपोषण के वैकल्पिक स्त्रोतों से प्राप्त स्थानीय, राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय वित्तपोषण से है।

जलवायु वित्त के सिद्धांत

- प्रदूषणकर्त्ता भुगतान करता है,
- 'समान लेकिन विभेदित ज़िम्मेदारी और संबंधित क्षमताएँ' (CBDR-RC)

UNFCCC द्वारा समन्वित बहुपक्षीय जलवायु कोष

- **वैश्विक पर्यावरण सुविधा (GEF):** वित्तीय तंत्र की संचालन इकाई (1994)
- **क्योटो प्रोटोकॉल (2001):**
  - **अनुकूलन कोष (AF):** विकासशील देशों को अनुकूलन परियोजनाओं का पूर्ण स्वामित्व प्रदान करना।
  - **स्वच्छ विकास तंत्र (CDM):** विकासशील देशों में उत्सर्जन-कटौती परियोजनाओं को पूर्ण करना।
- **हरित जलवायु कोष (GCF):** वर्ष 2010 में स्थापित (COP 16)
  - इसके अंतर्गत कोष- **अल्प विकसित देश कोष (LDCF)** और **विशेष जलवायु परिवर्तन कोष (SCCF)**
- **दीर्घकालिक जलवायु वित्त:**
  - **कानकुन समझौता (वर्ष 2010):** लघु और दीर्घावधि में धन एकत्रित करना तथा उपलब्ध कराना।
  - **पेरिस समझौता (वर्ष 2015):** विकसित राष्ट्र वर्ष 2025 तक कम-से-कम 100 बिलियन डॉलर/वर्ष का नवीन सामूहिक लक्ष्य स्थापित करने पर सहमत हुए।
- **लॉस एंड डैमेज फंड (2023) (COP27 और COP28):** जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से सबसे कमज़ोर और प्रभावित देशों को वित्तीय सहायता करना।

विश्व बैंक के अधीन जलवायु निवेश कोष (CIF)

- स्वच्छ प्रौद्योगिकी कोष
- सामरिक जलवायु कोष

जलवायु वित्त के संबंध में भारत की पहल

कोष	उद्देश्य उद्देश्य
राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन अनुकूलन निधि (NAFCC) (2015)	कमज़ोर भारतीय राज्यों के लिये
राष्ट्रीय स्वच्छ ऊर्जा कोष (2010-11)	स्वच्छ ऊर्जा को आगे बढ़ाना (औद्योगिक कोयले के उपयोग पर प्रारंभिक कार्बन टैक्स के साथ प्रारंभ करना)
राष्ट्रीय अनुकूलन कोष (2014)	आवश्यक और उपलब्ध कोष के बीच अंतर को ख़त्म करना
अभीष्ट राष्ट्रीय निर्धारित अंशदान (INDCs) (2015)	UNFCCC के तहत अपनाए गए राष्ट्रीय स्तर पर बाध्यकारी लक्ष्य
जलवायु परिवर्तन वित्त इकाई (2011)	वैश्विक जलवायु वित्त मुद्दों पर नेतृत्व करता है

जलवायु वित्त के समक्ष चुनौतियाँ

- NDCs के तहत राष्ट्रीय आवश्यकताओं और जलवायु वित्त के बीच अंतर (Gap) होना,
- अल्प विकसित देशों को बहुपक्षीय जलवायु कोष से प्रति व्यक्ति के हिसाब से न्यूनतम स्वीकृत धनराशि मिलना,
- स्वीकृतियों की धीमी दर,
- व्यवहार्यता-अंतर वित्त पोषण हासिल करने में विफल होना।

Drishti IAS

GCF के उद्देश्य और महत्त्वाकांक्षाएँ क्या हैं?

- **यह वकिासशील देशों को** [जलवायु वतित](#) **प्रदान करने** के लयि एक प्रमुख तंत्र है, जो**वैश्वकि कार्बन उत्सर्जन हेतु सबसे कम ज़म्मिेदार होने के बावजूद** जलवायु परविर्तन से असमान रूप से प्रभावति हैं।
  - यह कोष **मुख्य रूप से दो प्रमुख क्षेत्रों में राष्ट्रों को सहायता प्रदान करता है,** जैसे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना और **जलवायु परविर्तन के दुष्प्रभावों**, जैसे [चक्रवाती तूफान](#),[सूखा](#),[हीट वेव्स](#) **और** [समुद्र के जल स्तर में वृद्धि](#) **के प्रतअिनुकूलन को प्रोत्साहति करना है।**
- GCF **ने 19 जलवायु संवेदनशील देशों को मान्यता प्रदान की है,** जन्हिें बहुत कम या कोई वत्तिीय सहायता प्राप्त नहीं हुई है।
  - इसमें अल्जीरयिा,मध्य-अफ्रीकी गणराज्य,चाड,इराक,लेबनान,मोज़ाम्बकि,पापुआ-न्यू- गनिी और दक्षणि सूडान शामलि हैं।
  - GCF,वर्तमान मे इन **देशों को लक्षति जलवायु वत्तिीयन** और सहायता प्रदान करने को प्राथमकिता दे रहा है।
- GCF द्वारा सुभेद्य राष्ट्रों के लयि "पसंदीदा साझेदार" बनने के लयि संगठन की प्रतबिद्धता पर ज़ोर दयिा तथा **यह सुनश्चिति कयिा क धिनराशि उनको प्राप्त हो जहाँ इसकी सबसे अधकि आवश्यकता** है।
  - जलवायु संबंधी परियोजनाओं को समर्थन देने तथा भवषि्य में और अधकि धन जुटाने के लयि, GCF द्वारा वर्ष 2025 तक सोमालयिा में 100 मलियिन अमेरकिी डॉलर से अधकि का नविश करने की प्रतबिद्धता जताई है। इस देश ने हाल ही में भयावह बाढ़ तथा दशकों तक सूखे का सामना कयिा है।

जलवायु वित्त के संबंध में सरकारी पहल

- **राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन अनुकूलन कोष (NAFCC):**
- राष्ट्रीय स्वच्छ ऊर्जा कोष
- राष्ट्रीय अनुकूलन कोष
- **स्वच्छ विकास तंत्र (CDM)**

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्षों के प्रश्न (PYQ)

प्रश्न 'हरित जलवायु निधि (ग्रीन क्लाइमेट फण्ड) के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं? (2015)

1. यह विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन का सामना करने हेतु अनुकूलन और न्यूनीकरण पद्धतियों में सहायता देने के आशय से बनी है।
2. इसे UNEP, OECD, एशिया विकास बैंक और विश्व बैंक के तत्वाधान में स्थापित किया गया है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: a

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/gcf-to-help-vulnerable-nations